

॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥
 यंपुरापर्युपासीनारमयंतिवरस्त्रियः ॥ तंवीरशयनेसुतंरमयंत्यशिवाः ॥ १३ ॥ यंपुरापर्युपासीनारमयंतिमहीक्षितः ॥ महीतलस्यंनिहतंगुध्रास्तंपर्युपास
 ते ॥ १४ ॥ यंपुराव्यजनैरम्यैरुपवीजंतियोषितः ॥ तमद्यपक्षव्यजनैरुपवीजंतिपक्षिणः ॥ १५ ॥ एषशेतेमहाबाहुर्बलवानसत्यविक्रमः ॥ सिंहेनेवद्विपःसंख्ये
 भीमसेनेनपातितः ॥ १६ ॥ पश्यदुर्योधनंरुद्राशयानंरुद्रिरोक्षितं ॥ निहतंभीमसेनेनगदांसंमृज्यभारत ॥ १७ ॥ अक्षौहिणीर्महाबाहुर्दशचैकांशकेशव ॥ आ
 नयद्यःपुरासंख्येसोऽनयान्निधनंगतः ॥ १८ ॥ एषदुर्योधनःशेतेमहेष्वासोमहाबलः ॥ शार्दूलइवसिंहेनभीमसेनेनपातितः ॥ १९ ॥ विदुरंरुद्रवमन्यैषपितरंचै
 वमंदभाक् ॥ बालोवृद्धावमानेनमंदोमृत्युवशंगतः ॥ २० ॥ निःसपत्न्यामहीयस्यत्रयोदशसमाःस्थिता ॥ सशेतेनिहतोभूमौपुत्रोमेघथिवीपतिः ॥ २१ ॥ अप
 स्यंरुद्रापृथिवीधार्तराष्ट्रानुशासितां ॥ पूर्णाहस्तिगवाश्चैश्ववाष्ण्यनतुतच्चिरं ॥ २२ ॥ तामेवाद्यमहाबाहोपश्याम्यन्यानुशासितां ॥ हीनाहस्तिगवाश्चेनकिंनु
 जीवामिमाधव ॥ २३ ॥ इदंकष्टतरंपश्यपुत्रस्यापिवधान्मम ॥ यदिमाःपर्युपासंतेहतानश्चरानरणेस्त्रियः ॥ २४ ॥ प्रकीर्णकेशांसुश्रोणींदुर्योधनशुभांकगां ॥
 रुक्मवेदीनिभांपश्यरुक्मलक्ष्मणमातरं ॥ २५ ॥ नूनमेषापुराबालाजीवमानेमहीभुजे ॥ भुजावाश्रित्यरमतेसुभुजस्यमनस्विनी ॥ २६ ॥ कथंतुशतधानेदंरु
 दयंममदीर्यते ॥ पश्यंत्यानिहतंपुत्रंपुत्रेणसहितरणे ॥ २७ ॥ पुत्रंरुधिरसंसिक्तमुपजिघ्रत्यनिदिता ॥ दुर्योधनंतुवामोरूःपाणिनापरिमार्जती ॥ २८ ॥ किंनुशो
 चतिभर्तारंपुत्रंचैषामनस्विनी ॥ तथात्यवस्थिताभातिपुत्रंचाप्यभिबीक्ष्यसा ॥ २९ ॥ स्वशिरःपंचशाखाभ्यामभिहत्यायतेक्षणा ॥ पतत्युरसिवीरस्यकुरुराज
 स्यमाधव ॥ ३० ॥ पुंडरीकनिभाभातिपुंडरीकांतरप्रभा ॥ मुखंविमृज्यपुत्रस्यभर्तुश्चैवतपस्विनी ॥ ३१ ॥ यदिसत्यागमाःसंतियदिवैश्रुतयस्तथा ॥ ध्रुवल्लोका
 नवाप्तोयंचृपोबाहुबलार्जितान् ॥ ३२ ॥ इतिश्रीमहाभारतेस्त्रीपर्वणिस्त्रीविलापपदुर्योधनदर्शनेसप्तदशोऽध्यायः ॥ १७ ॥ ॥ ३३ ॥
 गांधार्युवाच पश्यमाधवपुत्रान्मेशतसंख्यान्जितकृमान् ॥ गदयाभीमसेनेनभूयिष्ठंनिहतानरणे ॥ १ ॥ इदंदुःखतरंमेघयदिमामुक्तमूर्धजाः ॥ हतपुत्रार
 णेबालाःपरिधावंतिमेस्तुषाः ॥ २ ॥ प्रासादतलचारिण्यश्चरणैर्भूषणान्वितैः ॥ आपन्नायत्स्पर्शतीमारुधिराद्रावसुंधरां ॥ ३ ॥

इतिस्त्रीपर्वणिलंकण्डीयेभारतमावदीपेसप्तदशोऽध्यायः ॥ १७ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥